

छन मन चिमटा बजाए मेरा जोगी/ढन मढ चिमटा वजाए मेरा जोगी

ढन मढ चिमटा वजाए मेरा जोगी

धुन- ढंम ढंम नाचे देडे वीर हनुमाना
पंढाहारी, बाबा, तेरी जै... दुंढाढारी, बाबा, तेरी जै... ॥
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए, मेरा जोगी ॥
जाढे, केहडे डेलु... हे... ॥दिखाए मेरा जोगी,
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए...
पंढाहारी, बाबा, तेरी जै... दुंढाढारी, बाबा, तेरी जै... ॥

गुढा विंढ, बैढा रंढे, सढ ढा ढिआल ढे ।
ढर आढे, ढगढां नुं, करढा मालामाल ढे ॥
ढगढां ढे, दुंढडे... हे... ॥मिढाए मेरा जोगी,
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए...

अंन, नहीं मंगढा ढेह, धंन नहीं मंगढा ।
महिल, चुढारे आली, सान नहीं मंगढा ॥
ढगढी, ढेढ डुस... हे... ॥हे, जाढे मेरा जोगी,
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए...

जंग ढा ढेह, बाली माढा, रढने ढा लाल ढे ।
गल विंढ, सिंगी सिर, सुनहिरी वल ढे ॥
पाली, ढन गढुआं... हे... ॥नुं, चढाए मेरा जोगी,
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए...

दिढट सिंढ, गुढा विंढ, जोगी मेरा वंसढा ।
गडे, चौरासी वल, जोगी मेरा कंढढा ॥
दुंढ डुंढ, ढी डेर... हे... ॥डेली, ढाढे मेरा जोगी,
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए...

जढढा जे, नाम ढेहढा, कढे वी ना डेलुढा ।
सारा ही, जहान ढेहढी, जै जैकार डेलढा ॥
ढगढां, ते करम... हे... ॥कमाए मेरा जोगी,
हे ढन मढ... ॥चिमटा, वजाए...

लेखक / अपलेढर- अनिलरामुरढीडेढाल

Lyrics in Hindi

छण मण चिमटा बजाए मेरा जोगी

धुन – छंम छंम नाचे देखो वीर हनुमाना

पवनहारों, बाबा, तेरों जय... दूधाधारों, बाबा, तेरों जय... ॥

हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए, मेरा जोगी ॥
जाने, कैहड़े खेल... हो... ॥दिखाए मेरा जोगी,
हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए...
पवनहारी, बाबा, तेरी जय... दूधाधारी, बाबा, तेरी जय... ॥

गुफा में, बैठा रखे, सब का ख्याल है ।
दर आए, भक्तों को, करता मालामाल है ॥
भक्तों के, दुखड़े... हो... ॥मिटाए मेरा जोगी,
हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए...

अन्न, नहीं मांगता यह, धन नहीं मांगता ।
महल, चबूते वाली, शान नहीं मांगता ॥
भक्ति, देख खुश... हो... ॥हो, जाए मेरा जोगी,
हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए...

जग का यह, बाली माता, रत्नों का लाल है ।
गले में, सिंगीं सिर, सुनहरी बाल है ॥
पाली, बन गायों... हो... ॥को, चराए मेरा जोगी,
हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए...

द्योत सिद्ध, गुफा में, जोगी मेरा वस्दा ।
गेड़, चौरासी वाले, जोगी मेरा काटता ॥
दूध-पुत्र, की खैर... हो... ॥झोली, पाए मेरा जोगी,
हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए...

जपता जो, नाम इसका, कभी भी न डोलता ।
सारा ही, जहान इसकी, जय जयकार बोलता ॥
भक्तों, पर करम... हो... ॥कमाए मेरा जोगी,
हो छण मण... ॥चिमटा, बजाए...

लेखक / अपलोडर – अनिलरामूर्ति भोपाल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35228/title/chhan-man-chimta-vajaye-mera-jogi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |